प्रकाशनार्थ

पटना. 13 मार्च। हमारा समाज जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों से सफलतापूर्वक निपटने की एक कठिन चुनौती का सामना कर रहा है। महिलाओं को स्थानीय संसाधन प्रबंधन के साथ-साथ स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र की मूल्यवान परंपराओं और प्रथाओं का बहुत गहरा ज्ञान होता है। इसलिए वे हमारे पर्यावरण की स्थिति में इस गिरावट को रोकने के लिए आदर्श रूप से उपयुक्त हैं। उन्हें इस तरह से सशक्त बनाया जाना चाहिए कि इस समस्या का स्थायी समाधान खोजा जा सके और सभी के बीच हमारे पर्यावरण के बारे में जागरूकता पैदा हो सके। यह विचार बिहार सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के माननीय मंत्री डा. प्रेम कुमार ने आज इनवायरनमेंटल अवेयर्नेस एट द ग्रासरूट्स लेवलः वीमेन एज एजेन्ट्स आॅफ चेन्ज विषयक कार्यशाला के दौरान व्यक्त किया। यह कार्यक्रम सेन्टर फाॅर स्टडीज आॅन इनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट (सीएसईसी) और जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस) जो कि आद्री का हिस्सा हैं, के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। यह कार्यशाला अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने के लिए आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम का विशेष संबोधन देते हुए पटना की मेयर श्रीमती सीता साहू ने सभी प्रकार की आर्थिक गतिविधियों जैसे कृषि, हस्तशिल्प या अन्य सेवाओं में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए बिहार की महिलाओं की प्रशंसा की। ये आर्थिक गतिविधियां राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी केंद्रों तक हो रही हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि महिलाएं लोगों की जीवनशैली में बदलाव के एजेंट के रूप में प्रभावी ढंग से काम कर सकती हैं क्योंकि यह जरूरी है कि पर्यावरणीय गिरावट के गंभीर संकट से निपटने के लिए मानव गतिविधियों में बदलाव लाया जाए।

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली आठ महिलाओं को महापौर ने सम्मानित किया। इसके बाद उन महिलाओं ने अपनी प्रेरणादायक कहानियाँ साझा कीं। इन आठों महिलाओं में, रेडियो मिर्ची की सुश्री अंजलि ने कहा कि महिलाओं और प्रकृति दोनों में जीवन देने के बहुत समान गुण हैं। इसलिए यह एक वास्तविकता है कि महिलाएं समाज को प्रकृति के बारे में सिखाने के लिए सबसे अच्छी प्रवक्ता हो सकती हैं ताकि जलवायु परिवर्तन की तबाही को रोका जा सके। तरुमित्र की सुश्री देवप्रिया दत्ता ने लोगों से प्रकृति का मित्र बनने का आग्रह किया क्योंकि इसके कारण हमारे ग्रह पर शानदार परिणाम हो सकते हैं।

इसके अलावा एएनएम, आशा, आंगनवाड़ी, जेएसएस और जीविका जैसे जमीनी स्तर पर काम करने वाली सोलह महिलाओं की सराहना की गई और उन्हें विधिवत सम्मानित किया गया। वार्ड पार्षद सुश्री श्वेता राय और सदिसोपुर पंचायत की मुखिया सुश्री दीक्षा प्रियदर्शनी को भी उनके प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व, आद्री की सदस्य-सचिव डा. अस्मिता गुप्ता ने अपने स्वागत भाषण में सुझाव दिया कि हमें महिलाओं की सफल कहानियों में छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना चाहिए ताकि भविष्य में पर्यावरण पर इसका बड़ा लाभकारी प्रभाव पड़ सके। आद्री की डा. सुनीता लाल ने महापौर को आद्री की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट किया। जेएसएस के निदेशक डा. संदीप कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया जबकि सीएसईसी के डा. सुनील कुमार गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

(अंजनी कुमार वर्मा)